# Demonetization: Impact on Indian Economy

Prof. Sunita Jain

**Published by:**
Swami Vivekanan University , Sagar

**Demonetization: Impact on Indian Economy**
**Prof. Sunita Jain**

**SECOND EDITION 2017**

**ISBN- 978-81-929700- -5-9**

Published By
**Swatantra Computer & Printers**
Itwari Ward, Sagar (M.P.)
Ph. 07582-243728 Mob. 9981466528

Laser Composing
**Swatantra Computer & Printers**
Itwari Ward, Sagar (M.P.)
Ph. 07582-243728 Mob. 9981466528

13. Impact Of Demonetization On The GST — 104
- Ms. Preeti Kashyap

14. Impact Of Demonetization On Information Technology — 110
- Ms. Lata Soni

15. Demonetization: A Long lasting And Optimistic Decision — 116
- Mr. Chaitanya kaushakiya
- Ms. Neha Dubey Kaushakiya.

16. Demonetization And It's Impact Of Indian Economy — 122
- Mr. Bikas Deb

17. विमुद्रीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था — 130
डॉ. उत्सव आनन्द एवं शोधार्थी – श्री मधुकर इटेवार

18. विमुद्रीकरण का (नोटबन्दी) सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव एक समीक्षात्मक विश्लेषण — 136
डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव

19. भारत में विमुद्रीकरण का प्रभाव — 141
डॉ. गजेन्द कुमार रावत

20. विमुद्रीकरण – कालाधन रोकने का प्रयास — 150
डॉ. शक्ति जैन

21. अर्थव्यवस्था मे विमुद्रीकरण एक लोकतंत्रात्मक आर्थिक सुधार (भारतीय अर्थव्यवस्था के परिपेक्ष्य में) — 156
डॉ. केशव टेकाम
श्री नीलेश कुमार भास्कर

22. विमुद्रीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था — 166
डॉ. विशाल मिश्रा

23. विकास के लिए जरूरी – पत्र मुद्रा से दूरी — 171
डॉ. अंजना चतुर्वेदी

24. भारतीय अर्थव्यवस्था : कमनगदी की ओर बढ़ता एक कदम — 176
डॉ. वीरेन्द्र सिंह भदसेनिया

25. विमुद्रीकरण : डिजीटल अर्थव्यवस्था हेतु एक अभिनव पहल — 190
डॉ. एम. एल. सोनी

26. कैशलेस ट्रांजेक्शन, डिजिटल बैंकिंग आवश्यकता और माध्यम / उपकरण — 193
डॉ. भावना यादव

27. प्राचीन काल मे मुद्रा का उद्भव एवं विकास: एक विश्लेषण — 200
डॉ. माधव सिंह रायकवार
श्री जितेन्द्र कुमार खोब्रागड़े

28. विमुद्रीकरण के नए फायदे जो भारत को बनाएँगे सुपरपावर — 207
श्रीमती राजकुमारी जोशी

# विमुद्रीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

डॉ. उत्सव आनन्द
शोधार्थी – मधुकर इटेवार

8 नबम्वर 2016 की रात 8 बजे के बाद देश में प्रचलित 500 तथा 1000 के नोटों को बंद कर दिया गया। यह नोट भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक मूल्य वाली मुद्रा थी। जिसे आसानी से बड़ी कीमत चुकाने के लिए प्रयोग किया जाता था। जिसे भारत के प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित करते हुए इसे बंद करने की घोषणा की। इसके बाद भारत देश में हलचल सी हो गयी। इस हलचल से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा समाज प्रभावित हुआ। 8 नबम्वर की रात आठ बजे के बाद 'विमुद्रीकरण' देशवासियों के लिए बहुत परिचित 'शब्द' बन गया। अर्थशास्त्र विषय में पढ़ाया जाने वाला यह शब्द सभी के लिए सामान्य हो गया और जनता इसका अर्थ समझ गयी।

विमुद्रीकरण जिसे मीडिया ने नोटबंदी भी कहा, इसकी घोषणा 8 नवम्बर 2016 को रात 8 बजे भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अचानक राष्ट्र को किये गये संबोधन के द्वारा की गयी घोषणा में 8 नवम्बर की आधी रात से देश में 500 और 1000 रूपये के नोटों को बंद करने की घोषणा की गयी। जो कि 31 मार्च 2016 को प्रकाशित रिर्जव बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सर्कुलेशन में नोटो की कुल कीमत 16.42 लाख करोड़ है जिसमें से 86 प्रतिशत अर्थात 14.18 लाख करोड़ 500 और 1000 के नोट थे और बंद हुये हुए नोटों को 30 दिसम्बर 2016 तक बैंक में बदला गया। इसके बाद नोट बदलने का कार्य केवल आर.बी.आई. द्वारा ही किया गया। इन नोटो की जगह पर भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा 500 और 2000 के नये नोटो को प्रचलन में लाया गया।

ISBN- 978-81-929700-0-5



विमुद्रीकरण क्या है? जब सरकार पुरानी मुद्रा को कानूनी तौर पर बंद कर देती है और नई मुद्रा लाने की घोषणा करती है तो इसे विमुद्रीकरण कहा जाता है। इसके बाद पुरानी मुद्रा अथवा नोटों की कोई कीमत नहीं रह जाती है हालांकि सरकार द्वारा पुराने नोटों को बैंकों में बदलने के लिए लोगों को समय दिया जाता है, ताकि वे अमान्य हो चुके अपने नोटों को बदल सकें।

**प्रस्तुत शोधपत्र के उद्देश्य :–**

- विमुद्रीकरण या नोटबंदी क्या होता है? भारत तथा विश्व में विमुद्रीकरण का इतिहास तथा परिणाम का अध्ययन करना।
- विमुद्रीकरण के लिए सरकार की क्या तैयारी थी? कालेधन को सफेद धन में परिवर्तन करने के लिए क्या– क्या उपाय अपनाये गये?
- विमुद्रीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करना।

**विमुद्रीकरण का इतिहास :**

विश्व के आधुनिक इतिहास में नोटबंदी का कदम सबसे पहले अफ्रीका देश घाना में उठाया गया था। इसके बाद विभिन्न देशों ने अलग–अलग उद्देश्यों के लिए विमुद्रीकरण किया जिनमें शामिल थे – 1984 वर्ष में नाइजीरिया, वर्ष 1987 म्यांमार, 90 के दशक की शुरूआत में जायरे, वर्ष 1991 सोवियत संघ, वर्ष 2010 में उत्तरी कोरिया आदि देशों ने विमुद्रीकरण किया। इसके कई परिणाम इन देशों को सहन करने पड़े, कहीं तो यह सफल रहा और कहीं–कहीं यह असफल भी रहा।

भारत में 8 नवम्बर 2016 के पहिले भी इस तरह के उपायों को किया गया था। जनवरी 1946 में 1000 और 10,000 रूपये के नोटों को वापस ले लिया गया था और 1954 में 1000, 5000, 10000 रूपये के नोट पुनः शुरू किये गये थे।

16 जनवरी 1978 को जनता पार्टी की गठबंधन सरकार ने फिर से 1000, 5000 और 10,000, रूपये के नोट का विमुद्रीकरण किया था, ताकि जालसाजी और कालेधन पर अंकुश लगाया जा सके।

ISBN- 978-81-929700-0-5